भारत में कृषि संरचना
[Agriculture Structure in India.]

जैसा कि हम सब जानते हैं कि भारत के आर्थिक विकास में कृषि का महत्वपूर्ण स्थान है। वास्तव में, कृषि हमारे देश में केवल जीविकोपार्जन का साधन या उद्योग-धंधा ही नहीं है बल्कि अर्थव्यवस्था की रीढ़ की हड्डी है। देश के उद्योग धंधे, विदेशी व्यापार, मुद्रा अर्जन, विभिन्न योजनाओं की सफलता एवं राजनीतिक स्थायित्व भी कृषि पर ही निर्भर है। देश के प्रथम प्रधानमंत्री स्व. पं. जवाहरलाल नेहरू ने कहा था कि "कृषि को सर्वाधिक प्राथमिकता देने की आवश्यकता है। यदि कृषि असफल रहती है तो सरकार एवं राष्ट्र दोनों ही असफल रहते हैं।"

* कृषि के महत्व को निम्नांकित तथ्यों से अधिक स्पष्ट रूप से समझा जा सकता है :-

1) <u>कृषि में सर्वाधिक रोजगार</u> :- जनसंख्या का एक बड़ा भाग कृषि एवं इससे संबंधित क्षेत्रों से जुड़ा हुआ है। कृषि व्यवसाय में करोड़ों लोग लगे हुए हैं। ~~अतः~~ कृषि संबंधित सम्बन्धित क्षेत्र का हिस्सा 14% है।

Scanned by CamScanner

2. राष्ट्रीय आय का मुख्य स्रोत है।

3. उद्योगों का आधार :→ अधिकांश महत्वपूर्ण भारतीय उद्योगों का कच्चा माल खेती से ही प्राप्त होता है, जैसे सूती वस्त्र, चीनी, चाय, कॉफी, रबड़, वनस्पति घी, तेल सभी उद्योग कच्चे माल के लिए खेती पर ही निर्भर है। पशु उद्योगों में चावल, आटा, तेल व दाले, आदि मिलों को भी कच्चा माल कृषि से ही मिलता है।

(4) विदेशी व्यापार में महत्व :→ भारतीय कृषि का विदेशी व्यापार में भी महत्वपूर्ण स्थान है। यहां के कुल निर्यात का एक बड़ा प्रतिशत निर्यात कृषि पदार्थ तथा कृषि से संबंधित कच्चे पदार्थों पर आधारित उद्योगों द्वारा किया जाता है।

(5) खाद्यानों की पूर्ति :→ वर्तमान खाद्यानों की आवश्यकताओं को लगभग शत-प्रतिशत पूर्ति भारतीय कृषि द्वारा ही की जाती है।

(6) भूमि का सर्वाधिक उपयोग कृषि के लिए :→ वर्तमान में देश के 32.87

Scanned by CamScanner

करोड़ हेक्टेअर भूमि के क्षेत्रफल में से 14.12 करोड़ हेक्टेअर भूमि पर कृषि की जाती है।

(9.) पशुओं का चारा :-
देश में लगभग 48 करोड़ पशु है। इनको चारा कृषि से ही प्राप्त होता है।

(10) कृषि परिवहन साधनों का मुख्य आधार माना जाता है।

(11) अन्तर्राष्ट्रीय महत्व :- अन्तर्राष्ट्रीय जगत में भारत को महत्वपूर्ण स्थान दिलाने में कृषि का उल्लेखनीय स्थान है। भारत विश्व उत्पादन में चाय व दाल में प्रथम है जबकि गेहूँ चावल मूंगफली चीनी वनस्पति, फल, गन्ने एवं जूट में दूसरा स्थान रखता है। तम्बाकू के उत्पादन में तो भारत का एकाधिकार है।

To be Continued.

Thank You.

Scanned by CamScanner

Agriculture.
[कृषि]

Page No.:
Date:

भारत में कृषि का महत्व
Importance of Agriculture in India.

राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में कृषि के महत्व का मूल्यांकन निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर किया जा सकता है –

(1) राष्ट्रीय आय में कृषि का अंश –
भारत के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि का योगदान काफी अधिक है किन्तु यह धीरे-धीरे कम होता जा रहा है। 1950-51 में यह 55.40% जो 2013-14 में औसत आधार पर घटकर 13.9% रह गया। भारत में कृषि क्षेत्र के GDP का 0.3% भाग कृषि शोध पर व्यय किया जाता है, जबकि अमेरिका में यह 4% है। केन्द्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा राष्ट्रीय आय लेखांकन की संशोधित विधि तथा आधार वर्ष 2004-05 के स्थान पर 2011-12 कर दिया गया। 2015-16 में कृषि एवं सहायक क्रियाएं क्षेत्रक का हिस्सा 17.5% था जो 2017-18 के लिए यह घटकर 17.1% रह गया।

(2). कृषि में पूँजी निर्माण : →

Scanned by CamScanner